तमाम हरूफ के मखारिज

मखरज उस स्थान को कहते हैं जहां से हरूफ की आवाज़ निकलती है। और मखरज की जमा मखारिज आती है, इसलिए ऊपर लिखा हुआ है मखारिज। क़ुरान पाक में 29/ हरूफ हैं और 29/ हरूफ के 17/ मखारिज हैं। अलिफ़, वाउ और या मद्दा के निकलने की कोई जगह नहीं है, ये मुँह की खाली जगह से आदा होते हैं। इसलिए हमने नंबर ब से ही शुरू किया है। एक मखरज के हरूफ को हमने एक साथ ही लिख दिया है। अब आप तरतीब से सभी हरूफ के मखारिज याद करें।

	ا	मुँह की खाली जगह से।
1	ب	दोनों होंटों का भीगा हिस्सा आपस में मिले।
2	م	दोनों होंटों का सूखा हिस्सा आपस में मिले।
3	ف	ऊपर के दांतों का किनारा नीचे के होंट के भीगे से लगे।
4	و	दोनों होंट जब गोल हो जाएं।
5	ت د ط	जीभ की नोक और सामने वाले ऊपर के दांतों की जड़ी।
6	ث ذ ظ	जीभ की नोक और सामने वाले ऊपर के दांतों का किनारा।
7	ج ش ی	जीभ का बीच ऊपर के तालु से लगे।
8	ز س ص	जीभ की नोक और ऊपर नीचे के दांत थोड़ा आपस में मिलें।
9	ر	जीभ की पीठ ऊपर के चार दांतों के मसूड़ों से लगे।
10	ن	जीभ की पीठ ऊपर के छह दांतों के मसूड़ों से लगे।
11	ل	जीभ की पीठ ऊपर के आठ दांतों के मसूड़ों से लगे।
12	ض	जीभ कि करवट ऊपर की डाढ़ों की जड़ से लगे।
13	ق	जीभ की जड़ अपने ऊपर वाले हिस्से से लगे।
14	ک	जीभ की जड़ से कुछ पहले का हिस्सा अपने ऊपर वाले हिस्से से लगे।
15	غ خ	हल्क का मुँह की तरफ़ वाला हिस्सा।
16	ع ح	हल्क का दरमियानी वाला हिस्सा।
17	ء ہ	हल्क का सीने की तरफ़ वाला हिस्सा।

AzanGuru